Q:- अन्तर सांस्कृतिक शोध कार्य का अर्थ एवं इसकी प्रासंगिकता का वर्णन करें।

Ans:-

अन्तर सांस्कृतिक शोध एक ऐसा शोध है जिसमें शोधार्थी दो या दो से अधिक संस्कृति के समूहों संगठनों तथा संस्थानों की तुलना किसी एक या एक से अधिक चरों पर करते हैं।

अन्तर सांस्कृतिक शोध की शुरुआत का श्रेय मानवशास्त्री "मार्गरेट मीड" को दिया जाता है। प्रारंभिक समय में मानवशास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों द्वारा ही इस प्रकार के शोध कार्य में अधिक रूचि ली जाती रही। इन क्षेत्रों में इस शोध विधि की सफलता से आकर्षित होकर मनोविज्ञानियों द्वारा भी इसे स्वीकारा जाने लगा। आजकल मनोवैज्ञानिक शोधकर्ताओं द्वारा इसे व्यापक रूप से अपना लिया गया है।

जैण्डन (Zanden, 1978) द्वारा इसे परिभाषित करते हुए बतलाया गया है कि— "क्रास सांस्कृतिक शोध में दो या दो से अधिक समाजों से प्राप्त आँकड़ों की तुलना होती है और इस तरह से इसमें विश्लेषण की इकाई संस्कृति होती है न कि व्यक्ति" (Cross culture research involves the comparison of data from two or more societies, thus cultures, rather that individuals, are unit of analysis.")

इस परिभाषा के आधार पर हम कह सकते हैं कि क्रास सांस्कृतिक शोध या अन्तर सांस्कृतिक शोध के माध्यम से शोधकर्ता विभिन्न संस्कृति वाले समूहों की समानताओं तथा विभिन्नताओं का अध्ययन सरलता पूर्वक कर सकते हैं। क्रास सांस्कृतिक शोध के स्वरूप को और अधिक स्पष्टता प्रदान करते हैं:

K.N II Sem (2) M.A

- शोधकर्ता मनोवैज्ञानिकों द्वारा अन्तर्निहित विशेषताओं का उल्लेख ~~निम्न~~ किया गया है—

(1) अन्तर सांस्कृतिक शोध के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों ~~से~~ की जनसंख्या से लिए गए व्यक्तियों के समूहों या उनके सामाजिक संगठनों का अध्ययन तुलनात्मक रूप में पाई जाने वाली समानताओं या विभिन्नताओं का किया जाता है।

(2) इस शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा अध्ययन के लिए इकाई के रूप में व्यक्ति को न लेकर पूरे समूह को लेता है।

(3) क्रास सांस्कृतिक शोध या अन्तर सांस्कृतिक शोध में समूहों या ~~संस्कृति~~ एक समान संस्कृति के व्यक्तियों का यौन सम्बन्धी व्यवहार, बच्चों का लालन-पालन आदि दूसरे प्रकार की संस्कृति के व्यक्तियों के समूह से कितनी समान है या भिन्न है का अध्ययन किया जाता है।

(4) रेबर (Reber, 1965) महोदय ने इस विशेषता को स्पष्ट करते हुए बतलाए हैं कि— "इस प्रकार के शोध का मुख्य उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों का आपस में उतना तुलना करना नहीं होता है जितना कि विभिन्न सांस्कृतिक परिस्थितियों की भिन्न-भिन्न व्यवहारों की तुलना करना होता है।"

(5) अन्तर सांस्कृतिक शोध विधि में शोधार्थी आँकड़ों का संग्रहण-प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार, रेटिंग मापनी, क्रियात्मक परीक्षण, प्रयोग आदि विधियों द्वारा करते हैं।

लाभ— अन्तर सांस्कृतिक विधि के लाभ को शोधकर्ता मनोवैज्ञानिकों द्वारा निम्न रूप बतलाया गया है—

(1) क्रास सांस्कृतिक शोधों द्वारा किसी एक संस्कृति में किये गए अध्ययनों से प्राप्त तथ्यों की वैधता तथा सामान्यता की जाँच